धन्यवाद प्रस्ताव*

वी.के. शर्मा

श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय वित्त मंत्री, डा. डी. सुब्बा राव, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, राजदूत श्री रिचर्ड ए. बाउचर, उप महासचिव, ओईसीडी, श्रीमती श्यामला गोपीनाथ, श्रीमती उषा थोरात, डॉ. के.सी. चक्रवर्ती और डॉ. सुबीर गोकर्ण, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, श्री एस.वी रंगनाथ, मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार, श्री हेन्स-हेल्मुट कोट्ज़, सदस्य, ड्यूश बुंदेश बैंक कार्यपालक निदेशक मंडल और वित्तीय बाजार संबंधी ओईसीडी समिति के अध्यक्ष, सुश्री फ्लोरेन मेसी, प्रधान प्रशासक, ओईसीडी, भारत सरकार और कर्नाटक सरकार के वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकाारियो, बैंकों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारियो, विशिष्ट आमंत्रिती एवं अतिथिगण, इस कार्यशाला के सहभागियो, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के सदस्यो, देवियो और सज्जनों।

2. सर्वप्रथम, मैं भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से माननीय वित्त मंत्री को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस अवसर की शोभा बढ़ाई है और सही मायने में एक मार्गदर्शी और अत्यंत बोधगम्य महत्वपूर्ण भाषण दिया। महोदय, भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अनुभव की आपकी ज्ञानपूर्ण समझ स्पष्ट दर्शाती है कि वित्तीय साक्षरता और शिक्षा का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंडा सार्वजनिक नीति द्वारा एक मिशन मोड में चलाना होगा। महोदय, हमें विश्वास है कि आपके गहन विचार और दृष्टिकोण अगले दो दिनों तक सभी को प्रेरित करते रहेंगे और उसमें ओत-प्रोत रखेंगे तथा इस कार्यशाला को एक सही और अत्यंत असर डालने वाली घटना बना देंगे। महोदय,आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

3. हम आदरणीय डॉ. सुब्बा राव, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक को इस महत्वाकांक्षी कार्यशाला की अवधारणा बनाने तथा इसकी रू परेखा तैयारकरने के पीछे मार्गदर्शी भावना तथा प्रेरणा के लिए जितना भी धन्यवाद दें, वह कम है। गवर्नर, महोदय, आपका आज का भाषण हमेशा की तरह बौद्धिक रूप से आलोडित करने वाला, धारदार और

* 23 मार्च 2010 को बंगलूरू में वित्तीय साक्षरता प्रदान करने के संबंध में आयोजित आरबीआई-ओईसीडी कार्यशाला के अवसर पर श्री वी. के. शर्मा, कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिया गया धन्यवाद ज्ञापन।

अनुबोधक था। विशेषरूप से, आपका अवधारणात्मक रूप से वित्तीय साक्षरता का मांग पक्ष के रूप में तथा वित्तीय समावेशन का आपूर्ति पक्ष के रूप में वैचारिक रूप से निर्माण करना इसे पूरी तरह से एक नया विश्लेषणात्मक तथा परिचालनीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। आगे बढ़ने में अनुसंधान एजेंडा के बारे में आपके मार्गदर्शी वचन किसी भी तरह से कम नहीं हैं और ये निश्चित रूप से अगले दो दिन तक गंभीर चिंतन से सराबोर रखेंगे। महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद।

4. जैसा कि गवर्नर महोदय ने इसे इतनी अच्छी तरह से रखा है कि इस कार्यशाला के आयोजन में ओईसीडी के साथ साझेदारी भारत के लिए एक भारी और मूल्यवान ज्ञानार्जन का अनुभव है। राजदूत श्री बाउचर महोदय, आपने अपने आज केभाषण में वास्तव में उन समन्वित पहलों को एक समेकित रूप में प्रस्तुत किया है जो वित्तीय साक्षरता और शिक्षा के कार्य को आगे बढ़ाने में वैश्विक रू प से की जा रही हैं। महोदय, गवर्नर महोदय का यह कथन कि ओईसीडी वित्तीय साक्षरता के क्षेत्र में एक बौद्धिक अग्रणी संस्था है, आपके और ओईसीडी के बारे में इससे अधिक जोरदार और कोई प्रमाण नहीं हो सकता है। महोदय, वित्तीय साक्षरता की हमारी राष्ट्रीय कार्यसूची के हमारे अनवरत और अथक प्रयास को सहायता देने के लिए हम आपको अत्यंत धन्यवाद देते हैं।

5. मैं डॉ.के.सी. चक्रवर्ती, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने स्वागत भाषण के लिए अपनी सहमति दी। महोदय, आपके भाषण से ग्राहक संरक्षण एवं ग्राहक सशक्तीकरण में विश्वसनीय और कारगर वित्तीय साक्षरता तथा शिक्षा की अनिवार्यताएं स्पष्ट हुई हैं। मैं अपने उप गवर्नरों श्रीमती श्यामला गोपीनाथ,श्रीमती उषा थोरात और डॉ. सुबीर गोकर्ण को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने हमारे साथ रहकर हमारा मार्गदर्शन किया। मैं इस कार्यशाला में आये प्रतिनिधियों को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस कार्यशाला में भाग लिया है।

6. मैं कर्नाटक सरकार को उनके द्वारा दी गई उदार सहायता और सहयोग के लिए भी धन्यवाद देता हूँ। मैं इस घटना को कवर करने तथा इस कार्यशाला का संदेश दूर-दूर तक पहुंचाने में सहायता करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ।

7. अंत में ऐसे पैमाने पर इतने बड़े समारोह का आयोजन हमारे भारतीय रिज़र्व बैंक के बंगलूरू कार्यालय के सहयोगियों के निष्ठापूर्ण अथक प्रयासों और अदम्य प्रतिबद्धता के बिना संभव नहीं था जिसकी अगुवाई क्षेत्रीय निदेशक ने की। मैं उन सभी को इसके लिए धन्यवाद देता हूँ।